

एक तिनका

मैं घमंडों में भरा ऐंठा हुआ,
एक दिन जब था मुंडेरे पर खड़ा ।
आ अचानक दूर से उड़ता हुआ,
एक तिनका आँख में मेरी पड़ा ।

मैं झिझक उठा, हुआ बेचैन-सा,
लाल होकर आँख भी दुखने लगी ।
मूँठ देने लोग कपड़े की लगे,
ऐंठ बेचारी दबे पाँवों भागी ।

जब किसी ढब से निकल तिनका गया,
तब 'समझ' ने यों मुझे ताने दिए ।
ऐंठता तू किसलिए इतना रहा,
एक तिनका है बहुत तेरे लिए ।

शब्दार्थ :

तिनका - सूखी घास । घमंड - गर्व, अहंकार । ऐंठ - जिद्द, अकड़ ।
मुंडेरे - दीवाल का सबसे ऊपरी भाग जो छत के ऊपर रहता है । अचानक - सहसा ।
झिझकना - हिचकिचाना । बेचैन - व्याकुल, बेकल । मूँठ - कपड़े का गुब्बारा जो आँख
को सेंकता है । दबे पाँव - चुपचाप । ढब - तरीका, रीति, ढंग । ताना - चिढ़कर कहना ।

प्रश्न और अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो / तीन वाक्यों में दीजिए :

- (क) एक दिन कवि को क्या हो गया ?
- (ख) आँख में तिनका पड़ने पर घमंडी की क्या दशा हुई ?
- (ग) आँख में तिनका पड़ने पर लोग क्या करने लगे ?
- (घ) किसी तरह आँख से तिनका निकल गया तो कवि को क्या अनुभव हुआ ?
- (ङ) एक तिनका कविता का मूल भाव क्या है ?

2. अर्थ स्पष्ट कीजिए :

- (क) घमंडो में भरा ऐंठा हुआ,
एक दिन जब था मुंडेरे पर खड़ा ।
- (ख) मैं झिझक उठा, हुआ बेचैन -सा ।
लाल होकर आँख भी दुखने लगी ।
- (ग) ऐंठता तू किस लिए इतना रहा,
एक तिनका है बहुत तेरे लिए ।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में दीजिए :

- (क) एक तिनका कविता के कवि का नाम क्या है ?
- (ख) एक दिन कवि कहाँ खड़े थे ?
- (ग) अचानक क्या हुआ ?
- (घ) कौन दबें पाँप भागी ?
- (ङ) घमंडी के घमण्ड को दूर करने के लिए क्या बहुत है ?

भाषा-ज्ञान

1. नीचे दी गई कविता की पंक्तियों को सामान्य वाक्य में बदलिए :

जैसे – एक तिनका आँख में मेरी पड़ा – मेरी आँख में एक तिनका पड़ा ।
मूँठ देने लोग कपड़े की लगे – लोग कपड़े की मूँठ देने लगे ।

- (क) एक दिन जब था मुँड़े पर खड़ा
- (ख) लाल होकर आँख भी दुखने लगी
- (ग) ऐंठ बेचारी दबे पाँवों भागी
- (घ) जब किसी ढब से निकल तिनका गया
- (ङ) एक तिनका है बहुत तेरे लिए

2. निम्नलिखित शब्दों के बिलोम / विपरीत शब्द लिखिए :

झिझक, बेचैन, दुःख, दुःखद, बहुत

- 3.** 'किसी ढब से निकलना' का अर्थ है किसी ढंग से निकलना । 'ढब से' जैसे कई वाक्यांशों से आप परिचित होंगे, जैसे – 'धम से' वाक्यांश है, लेकिन ध्वनियों में समानता होने के बाद भी 'ढब से' और 'धम से' वाक्यांशों के प्रयोग में अंतर है । नीचे कुछ ध्वनि द्वारा क्रिया को सूचित करनेवाले वाक्यांश और कुछ अधूरे वाक्य दिये गये हैं । उचित वाक्यांश चुनकर वाक्यों के खाली स्थान भरिए –

(छपाक से, टपटप, सर्र से, फुरे से)

- (क) मेंढक पानी में ————— कूद गया ।
- (ख) नल बंद होने पर भी पानी की कुछ बूँदें ————— चू गई ।
- (ग) शोर होते ही चिड़िया ————— उड़ी ।
- (घ) मोटर साइकिल ————— गई ।

4. पाठ के आधार पर सही परसर्गों से शून्य स्थानों को भरिए :

- (क) घमंडों ————— भरा ऐंठा हुआ ।
- (ख) एक तिनका आँख ————— मेरी पड़ा ।
- (ग) आ अचानक दूर ————— उड़ता हुआ ।
- (घ) जब किसी ढब ————— निकल तिनका गया ।
- (ङ) तब 'समझ' ————— यों मुझे ताने दिए ।



चाँद का झिंगोला



रामधारी सिंह 'दिनकर'

कवि परिचय

रामधारी सिंह 'दिनकर' जी का जन्म 30 सितम्बर, सन् 1908 को सिमरिया घाट, मुंगेर (बिहार) में हुआ। छात्रावस्था में ही 'दिनकर' का ओजस्वी कवि-रूप सामने आ गया। 'दिनकर' राष्ट्रीय भावधारा के प्रमुख कवि रहे। उन्हें शौर्य और वीरता का कवि माना जाता है।

'दिनकर' जी की बहुमुखी प्रतिभा का विस्तार गद्य और पद्य दोनों में हुआ है। उनके काव्य ग्रंथों में प्रमुख हैं – रेणुका, हूँकार, रसवन्ती, कुरुक्षेत्र, रश्मिरथी, उर्वशी, हारे को हरिनाम, बापू, दिल्ली इत्यादि। गद्य ग्रंथों में प्रमुख हैं – देश-विदेश, मेरी यात्राएँ, अर्द्ध-नारीश्वर, मिट्टी की ओर, रेती के फूल, संस्कृति के चार अध्याय इत्यादि।

'दिनकर' जी राज्य सभा के सम्मानित सदस्य रहे। भारत सरकार ने उनको 'पद्मभूषण' की उपाधि से अलंकृत किया। उन्हें 'उर्वशी' महाकाव्य के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार दिया गया।

यह कविता :

बच्चे दिन-ब-दिन बढ़ते हैं। इसलिए उनकी पोशाक बड़ी साइज की बना ली जाती है। लेकिन चाँद घटता-घटता अमावस के दिन दिखाई नहीं देता। वह चाहता है कि उसके लिए एक झिंगोला या कुर्ता सिलवा दिया जाय। माँ पूछती है, बेटा, किस नापका बनाया जाय ? जिसे तू रोज-रोज पहन सके ?

इसमें एक मजाक और व्यंग्य है। सदा अस्थिर के लिए कुछ नहीं किया जा सकता।

चाँद का झिंगोला

हठ कर बैठा चाँद एक दिन, माता से वह बोला,
“सिलवा दो माँ, मुझे ऊन का, मोटा एक झिंगोला ।
सन-सन चलती हवा रात भर, जाड़े से मरता हूँ,
ठिठुर-ठिठुर कर किसी तरह, यात्रा पूरी करता हूँ ।
आसमान का सफर और यह, मौसम है जाड़े का”
न हो अगर तो ला दो कुरता ही कोई भाड़े का ।”
बच्चे की सुन बात कहा माता ने, “अरे सलोने !
कुशल करे भगवान, लगेँ मत, तुझको जादू-टोने
जाड़े की तो बात ठीक है, पर मैं तो डरती हूँ,
एक नाप में कभी नहीं, तुझको देखा करती हूँ ।
कभी एक उँगल भर चौड़ा, कभी एक फुट मोटा,
बड़ा किसी दिन हो जाता है, और किसी दिन छोटा ।
घटना-बढ़ता रोज, किसी दिन, ऐसा भी करता है,
नहीं किसी की आँखों का, तू दिखलाई पड़ता है ।
अब तू ही यह बता, नाप तेरी किस रोज लिवाएँ,
सी दें एक झिंगोला जो, हर रोज बदन में आए ?”

शब्दार्थ :

झिंगोला – छोटे बच्चों का अंगरखा या कमीज । हठ – जिद्द । उन – भेड़-बकरी
आदि के रोयें । आसमान – आकाश, गगन, नभ । नाप – माप । सफर – यात्रा ।
मौसम – ऋतु । जाड़ा – शीत । भाड़ा – किराया । सलोने – सुन्दर, मनोहर ।

प्रश्न और अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में दीजिए :

(क) एक दिन चाँद क्या हठ करने लगा ?

(ख) बिना झिंगोले से चाँद को क्या कष्ट होता है ?

- (ग) माँ जाड़े से नहीं, पर किससे डरती है ?
(घ) माँ चाँद के लिए झिंगोला क्यों नहीं बना पाती ?

2. अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

- (क) हठ कर बैठा चाँद एक दिन माता से वह बोला,
सिलवा दो माँ, मुझे ऊन का मोटा एक झिंगोला ।
(ख) बच्चे की सुन बात कहा, माता ने, “अरे सलोने !
कुशल करे भगवान, लगे मत, तुझको जादू-टोने ।
(ग) कभी एक उँगल भर चौड़ा, कभी एक फुट मोटा,
बड़ा किसी दिन हो जाता है, और किसी दिन छोटा ।
(घ) अब तू ही यह बता, नाप तेरी फिस रोज लिवाए,
सी दें एक झिंगोला जो, हर रोज बदन में आए?”

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में दीजिए :

- (क) एक दिन चाँद ने माँ से क्या कहा ?
(ख) रात भर किस तरह की हवा चलती है ।
(ग) जाड़े में वह किस तरह मरता है ?
(घ) चाँद किस तरह यात्रा पूरी करता है ?
(ङ) यदि झिंगोला न मिले तो फिर चाँद क्या लेना चाहता है ?
(च) चाँद कभी कभी माँ को कितना चौड़ा दिखाई देता है ?
(छ) चाँद कितना गोरा दिखाई देता है ?
(ज) ऐसा कौन सा दिन होता है जब चाँद बिलकुल नहीं दिखाई देता ?
(झ) चाँद का झिंगोले के लिए नाप लेना क्यों संभव नहीं है ?

भाषा-ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों के विपरीत / विलोम शब्द लिखिए ।

कुशल, जाड़ा, ठीक, मोटा, घटता

2. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए ।

हवा, वह, माता, बच्चा, भाड़ा, बड़ा, बात, दिन, यह ।

